ले जाएंगे ले जाएंगे, दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे

डा विजय सुखवानी
लेखक, मोटिवेशनल स्पीकर
v1sukhwani@gmail.com

दोस्तों, हिंदी फिल्म संगीत का इतिहास केवल महान गायकों और संगीतकारों की वजह से ही समृद्ध नहीं हुआ, बल्कि उन महान गीतकारों की वजह से भी अमर हुआ है जिन्होंने शब्दों में भावनाओं की आत्मा भर दी. विशेष कर वो गीतकार जिनका साहित्य में भी अच्छा योगदान है .

मनोज कुमार क़ी फ़िल्म शोर' में पानी रे पानी तेरा रंग कैसा' जैसा यादगार फिलोसिफ़िकल गीत और इसी फ़िल्म का जीवन चलने का नाम चलते रहो सुबह शाम' जैसा अमर मोटिवेशनल गीत और ऐसे कई और यादगार फ़िल्मी गीत लिखने वाले, कामयाब मगर कम चर्चित गीतकार राजकवि इंद्रजीत सिंह तुलसी' भारतीय साहित्य और सिनेमा जगत के एक ऐसे ही अनमोल रत्न थे, जिनकी लेखनी ने न केवल देशभक्ति की भावना जगाई, बल्कि हिंदी सिनेमा को कई यादगार नग्मे भी दिए.

यद्यपि इंद्रजीत सिंह तुलसी को मुख्यधारा के चर्चित गीतकारों में नहीं गिना जाता और आज की पीढ़ी उनके बारे में नहीं जानती है , लेकिन फ़िल्मी संगीत में उनका योगदान निश्चित ही महत्वपूर्ण है. उन्होंने ऐसे समय में गीत लिखे जब हिंदी फिल्म संगीत का स्वर्ण काल था. उस दौर के दिग्गज गीतकारों के बीच अपनी अलग पहचान बनाना आसान नहीं था, फिर भी उन्होंने अपनी लेखनी के दम पर अपनी जगह बनाई. उन्होंने कई प्रसिद्ध संगीतकारों के साथ काम किया और अनेक फिल्मों के लिए श्रेष्ठ गीत लिखे. उनके गीतों में ज़िन्दगी के विभिन्न भाव, इश्क़ - मुहब्बत, मिलन-जुदाई, खुशी- गम, भक्ति, मनोरंजन, जीवन का संघर्ष और मानवीय संवेदनाओं आदि का सुंदर चित्रण देखने को मिलता है. इंद्रजीत सिंह तुलसी का जन्म अविभाजित भारत में लाहौर में हुआ था. बचपन से ही उनमें शब्दों को कविता में पिरोने की अद्भुत कला थी. महज़ 9 वर्ष की आयु में, जब देश ब्रिटिश शासन के खिलाफ लड़ रहा था, उन्होंने देशभक्ति की कुछ पंक्तियाँ लिखीं, जिसके कारण उन्हें एक दिन के लिए जेल भी जाना पड़ा.

कवि और लेखक इंद्रजीत सिंह तुलसी का फिल्मी सफर उस समय शुरू हुआ जब प्रख्यात अभिनेता-निर्देशक मनोज कुमार ने एक कवि सम्मेलन में उनकी कविताऐं सुनी. उनकी लेखनी से प्रभावित होकर मनोज कुमार ने उन्हें अपनी आगामी फिल्म शोर' के लिए गीत लिखने का अवसर दिया. यह अवसर उनके जीवन का बड़ा मोड़ साबित हुआ और फिर तो उन्होंने फिल्मों में कई यादगार गीत लिखे और गीतकार के रूप में अपनी अमिट छाप छोड़ी. उन्होंने जिन प्रमुख फिल्मों में गाने लिखे उनमे शोर , चोर मचाए शोर , बॉबी , कर्म , कालीचरण, फकीरा , जमीर , जमानत , विश्वनाथ , सौदा, दो जासूस , जानदार , गोल्ड मेडल , राजमहल , अहिंसा , भक्ति में शक्ति' आदि प्रमुख हैं . उन्होंने कुछ पंजाबी फिल्मों संतो बतो, लाड़ली , यार गरीबा दा' आदि के लिये भी गीत लिखे .

उनके लिखे गीत आज भी बड़े लोकप्रिय हैं और संगीत प्रेमियों की जुबान पर रहते हैं . उनके कुछ प्रमुख यादगार गीत, ले जाएंगे ले जाएंगे, दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' (चोर मचाए शोर), बेशक मंदिर मस्जिद तोड़ो' (बॉबी), मैंने देखा तुझे (कर्म), समय तू धीरे-धीरे चल' (कर्म), समय तू जल्दी जल्दी चल' (कर्म), जा रे जा ओ हरजाई' (कालीचरण), एक डाल पर तोता बोले एक डाल पर मैना' (चोर मचाए शोर), पानी रे पानी तेरा रंग कैसा (शोर), जीवन चलने का नाम,चलते रहो सुबह शाम' (शोर), जाम उठाओ जाम' (जमीर), एक बटा दो दो बटा चार' (काली चरण), आधी सच्ची आधी झूठी' (फकीरा), है जिंदरी' (विश्वनाथ), खिले ना कागज का कभी

फूल' (ज़मानत), मन तेरा मंदिर' (भक्ति में शक्ति), सारे गांव की लाड़ली' (भक्ति में शक्ति), मैंने पी है जनाब' (राजमहल), और थोड़ा थोड़ा सच (अहिंसा) आदि हैं . उनका लिखा सबसे लोकप्रिय गीत ले जाएंगे ले जाएंगे, दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' (चोर मचाए शोर) है . ये गीत इतना ज्यादा लोकप्रिय हुआ कि आगे जाकर बरसों बाद इसी शीर्षक से एक फिल्म बनी और हम सभी जानते हैं कि वो कितनी बड़ी हिट साबित हुई.

यदि अगर आप गौर करें तो आप पाएंगे कि पानी रे पानी तेरा रंग कैसा (शोर), एक बटा दो दो बटा चार, छोटी छोटी बातों में बट गया संसार' (काली चरण) और एक डाल पर तोता बोले एक डाल पर मैना (चोर मचाए शोर) जैसे अनूठे बोल, फ़िल्मी गीतों में कम ही दिखाई देते हैं . ये गीत उनकी लेखनी की मौलिकता और विशिष्टता को बताते हैं, विशेषकर शोर' फ़िल्म का लता जी और मुकेश का गाया उनका गीत पानी रे पानी तेरा रंग कैसा' एक अद्भुत गीत है जिसमें पानी को रूपक मानकर जीवन के दर्शन की व्याख्या की गई है . यह सदाबहार गीत पानी के बहुमुखी स्वभाव और इंसानी भावनाओं के बीच के गहरे संबंध को दर्शाता है, इस गीत में मनुष्य जीवन के सुख-दुख, उम्मीद और हताशा को पानी के विभिन्न रूपों के माध्यम से चित्रित किया गया है . इसी प्रकार उनका गीत जीवन चलने का नाम चलते रहो सुबह शाम' एक कालजयी गीत है और हिंदी सिनेमा के सर्वश्रेष्ठ प्रेरक गीतों में गिना जाता है . इस गीत की हर पंक्ति हमें हर हाल में जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है .

उन्होंने अपने करियर में शंकर जयकिशन, लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल, राहुल देव बर्मन, कल्याणजी आनंद जी, रविंद्र जैन, सोनिक ओमी और बप्पी लाहिड़ी जैसे दिग्गज संगीतकारों के साथ काम किया. उन्होंने वर्ष 1979 में आई फ़िल्म गोल्ड मैडल' के अपने लिखे प्रसिद्ध गीत ऐ मेरे देश के अमर शहीदों' को अपनी आवाज़ भी दी है . साहित्य में उनका बड़ा योगदान है, वो जितने बड़े गीतकार थे उतने ही बड़े कवि और लेखक भी थे . एक लेखक के तौर पर, उन्होंने महान सिख गुरुओं पर किताबें भी लिखी. उनकी किताबें परम पुरख' और दरवेश बादशाह गुरु गोबिंद सिंह , आज भी पंजाब यूनिवर्सिटी के पाठ्यक्रम में पढ़ाई जाती हैं . कवि के रूप में उनकी प्रतिष्ठा का पता इस बात से चलता है कि देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू, तुलसी जी की प्रतिभा से बड़े प्रभावित थे . नेहरू जी के निमंत्रण पर उन्होंने कई राष्ट्रीय कार्यक्रमों में अपनी कविताओं का पाठ किया. 1962 में उन्हें पंजाब के राज्यपाल द्वारा राजकवि' की उपाधि से नवाजा गया. साहित्य और कला में उनके अतुलनीय योगदान के लिए 1966 में उन्हें भारत सरकार द्वारा पद्म श्री से भी सम्मानित किया गया.

एक कवि की इच्छा होती है कि वो अपने जीवन के अंतिम समय तक अपनी कविताओं का पाठ करता रहे, इंद्रजीत सिंह तुलसी के साथ यही हुआ, 11 मई 1984 को उनका जिस वक़्त दिल का दौरा पड़ने से निधन हुआ उस समय वे मंच पर कविता पाठ कर रहे थे . इंद्रजीत सिंह तुलसी की किताबों और गीतों में संवेदना, संस्कृति और जीवन का सच्चा दर्शन मिलता है . वे दुनिया से चले जाने के बाद भी अपने कालजयी गीतों और साहित्य के माध्यम से हमारे बीच जीवित हैं .

आज के लिये इतना ही, अगले सप्ताह फिर मिलेंगे तब तक राजकवि इंद्रजीत सिंह तुलसी का यादगार गीत पानी रे पानी तेरा रंग कैसा' सुनिए और पुरानी यादों के सावन में भीगने का आनंद लीजिये-

पानी रे पानी तेरा रंग कैसा
जिसमें मिला दो लगे उस जैसा
पानी रे पानी तेरा रंग कैसा...

इस दुनिया में जीनेवाले ऐसे भी हैं जीते
रूखी-सुखी खाते हैं और ठंडा पानी पीते
तेरे एक ही घूँट में मिलता जन्नत का आराम
पानी रे पानी तेरा रंग कैसा
भूखे की भूख और प्यास जैसा...

गंगा से जब मिले तो बनता गंगाजल तू पावन
बादल से तू मिले तो रिमझिम बरसे सावन
सावन आया सावन आया रिमझिम बरसे पानी
आग ओढ़कर आग पहनकर, पिघली जाए जवानी
कहीं पे देखो छत टपकती, जीना हुआ हराम
पानी रे पानी तेरा रंग कैसा
दुनिया बनाने वाले रब जैसा...

वैसे तो हर रंग में तेरा जलवा रंग जमाए
जब तू फिरे उम्मीदों पर तेरा रंग समझ ना आए
कली खिले तो झट आ जाए पतझड़ का पैगाम
पानी रे पानी तेरा रंग कैसा
सौ साल जीने की उम्मीदों जैसा...
पानी रे पानी तेरा रंग कैसा

तमन्ना ने लंदन में रागिनी 3 शूटिंग शुरू की

बालाजी मोशन पिक्चर्स ने अपनी आगामी डेट नाइट हॉरर एंटरटेनर फिल्म रागिनी 3 की शूटिंग शुरू कर दी है. तमन्ना भाटिया अभिनीत यह फिल्म लंदन में फ्लोर पर जा चुकी है और 2027 में सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी.

शशांक घोष के निर्देशन में बन रही रागिनी 3 लोकप्रिय भारतीय हॉरर फ्रेंचाइज़ी को एक नए और रोमांचक अध्याय में लेकर जाएगी. हॉरर, रोमांस और कई अप्रत्याशित मोड़ों का अनोखा मेल इस फिल्म को एक नया अंदाज़ देगा, वहीं फ्रेंचाइज़ी की पहचान बन चुके सस्पेंस और रोमांच को भी बरकरार रखेगा.

तमन्ना भाटिया ने फिल्म के पहले शेड्यूल की शूटिंग लंदन में शुरू कर दी है. कमर्शियल फिल्मों और दमदार किरदारों के बीच सहजता से संतुलन बनाने के लिए पहचानी जाने वाली तमन्ना इस बार एक ऐसे किरदार में नज़र आएंगी, जो रहस्यमयी होने के साथ-साथ पूरी तरह अप्रत्याशित भी है. यही वजह है कि रागिनी 3 उनके सबसे बहुप्रतीक्षित प्रोजेक्ट्स में से एक मानी जा रही है. फिल्म के निर्माताओं की पहली और इकलौती पसंद तमन्ना भाटिया ही थीं, क्योंकि उनका मानना था कि हॉरर, रोमांस और ह्यूमर के इस अनोखे मिश्रण को पर्दे पर वही सबसे बेहतर तरीके से पेश कर सकती हैं.

एकता कपूर की बालाजी मोशन पिक्चर्स, जो बालाजी टेलीफिल्म्स लिमिटेड का एक डिविज़न है, के बैनर तले बन रही रागिनी 3 की शूटिंग फिलहाल लंदन में चल रही है.

43 वर्ष की हुई कैटरीना

बॉलीवुड की जानीमानी अभिनेत्री कैटरीना कैफ आज 43 वर्ष की हो गईं.16 जुलाई 1983 को हांगकांग में जन्मी कैटरीना कैफ का मूल नाम कैटरीना टॉरकेटी है. उन्होंने 14 वर्ष की उम्र में मॉडलिंग से अपने करियर की शुरुआत की. मॉडलिंग के उद्देश्य से वह मुंबई आईं, जहां उनकी मुलाकात फिल्म निर्देशक कैजाद गुस्ताद से हुई. उस समय कैजाद गुस्ताद फिल्म 'बूम' बना रहे थे. उन्होंने कैटरीना को फिल्म में काम करने का प्रस्ताव दिया, जिसे उन्होंने सहर्ष स्वीकार कर लिया.

वर्ष 2003 में प्रदर्शित फिल्म 'बूम' आपराधिक पृष्ठभूमि पर आधारित थी. फिल्म में अमिताभ बच्चन और जैकी श्रॉफ ने भी प्रमुख भूमिकाएं निभाई थीं. हालांकि कमजोर पटकथा के कारण यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं हो सकी. वर्ष 2005 में कैटरीना को एक बार फिर अमिताभ बच्चन के साथ फिल्म 'सरकार' में काम करने का अवसर मिला, लेकिन फिल्म की सफलता के बावजूद उन्हें इसका विशेष लाभ नहीं मिला.

वर्ष 2005 में प्रदर्शित फिल्म 'मैंने प्यार क्यूँ किया' कैटरीना कैफ के फिल्मी करियर की पहली बड़ी सुपरहिट साबित हुई. कहा जाता है कि यह फिल्म उन्हें सलमान खान की सिफारिश पर मिली थी. फिल्म की सफलता के बाद कैटरीना को बॉलीवुड में अच्छी फिल्मों के प्रस्ताव मिलने लगे और उन्होंने धीरे-धीरे अपनी अलग पहचान बना ली.

कैटरीना कैफ के करियर में अभिनेता अक्षय कुमार के साथ उनकी जोड़ी को दर्शकों ने बेहद पसंद किया. अक्षय और कैटरीना पहली बार वर्ष 2006 में प्रदर्शित फिल्म 'हमको दीवाना कर गए' में साथ नजर आए. हालांकि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अपेक्षित सफलता हासिल नहीं कर सकी, लेकिन दोनों की जोड़ी को दर्शकों का भरपूर प्यार मिला. इसके बाद वर्ष 2007 में प्रदर्शित फिल्म 'नमस्ते लंदन' ने इस जोड़ी को नई ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया. यह फिल्म सुपरहिट साबित हुई और कैटरीना के करियर के लिए मील का पत्थर बनी.

इसके बाद अक्षय कुमार और कैटरीना कैफ ने 'वेलकम', 'सिंह इज किंग', 'दे दना दन' और 'तीस मार खां' जैसी कई सफल फिल्मों में साथ काम किया. दोनों की जोड़ी लंबे समय तक बॉलीवुड की सबसे सफल जोड़ियों में गिनी जाती रही. सलमान खान के साथ भी कैटरीना की जोड़ी को दर्शकों ने काफी पसंद किया. दोनों ने 'मैंने प्यार क्यूँ किया', 'पार्टनर', 'एक था टाइगर', 'टाइगर जिंदा है', 'भारत' और 'टाइगर 3' जैसी फिल्मों में साथ काम किया.

जन्मदिन पर परिवार संग रहेंगी आमना शरीफ

अभिनेत्री आमना शरीफ इस वर्ष अपना जन्मदिन किसी भव्य पार्टी के बजाय परिवार और करीबी दोस्तों के साथ सादगीपूर्ण ढंग से मनाएंगी. आमना का कहना है कि उनके लिए सबसे बड़ा उपहार अपनों का साथ और उनके साथ बिताया गया गुणवत्तापूर्ण समय है.

आमना शरीफ ने कहा कि हर जन्मदिन उन्हें यह एहसास कराता है कि वह कितनी भाग्यशाली हैं. उन्होंने बताया कि वह अपने खास दिन की शुरुआत कृतज्ञता और सकारात्मक सोच के साथ करेंगी, अपनी फिटनेस दिनचर्या का पालन करेंगी और जरूरतमंदों की मदद करके इस दिन को और विशेष बनाना चाहेंगी.

आमना शरीफ ने कहा, 'इस साल मेरी ख्वाहिश बहुत सरल है. मैं स्वस्थ रहूं, एक अभिनेता और इंसान के रूप में लगातार आगे बढ़ती रहूं और दर्शकों का प्यार यूं ही मिलता रहे. मेरे लिए इससे बेहतर जन्मदिन का उपहार कुछ नहीं हो सकता.' आमना शरीफ ने वर्षों से अपनी खूबसूरती और अभिनय के दम पर दर्शकों के बीच खास पहचान बनाई है.

उन्होंने 'एक विलेन' और 'आधा इश्क' जैसे प्रोजेक्ट्स में अपनी अभिनय क्षमता का परिचय दिया है. आमना शरीफ के प्रशंसकों के लिए अच्छी खबर यह है कि उनके कुछ नए और अभी तक घोषित नहीं किए गए प्रोजेक्ट्स भी पाइपलाइन में हैं. ऐसे में आने वाले समय में आमना एक बार फिर नए अंदाज में पर्दे पर नजर आ सकती हैं.

'राख' में अली फजल की सराहना

बॉलीवुड अभिनेता अली फ़ज़ल ने कहा है कि उन्होंने अपने पूरे करियर में किसी एक लोकप्रिय किरदार तक सीमित रहने के बजाय विविध भूमिकाओं और अलग-अलग तरह की कहानियों को चुनने को प्राथमिकता दी है तथा हमेशा अपने काम को ही अपनी पहचान बनने दिया है.हाल ही में रिलीज़ फिल्म 'राख' में एसआई जय प्रकाश के किरदार के लिए अली फ़ज़ल को दर्शकों और समीक्षकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है. दर्शकों का मानना है कि जय प्रकाश का किरदार अली के चर्चित किरदार गुड्डू पंडित से बिल्कुल अलग है.

फिल्म को मिल रही प्रतिक्रिया पर अली ने कहा, 'लंबे समय तक मुझे अलग-अलग तरीकों से यह महसूस कराया गया कि मैं तय किए गए ढांचे में फिट नहीं बैठता. कभी मेरी फिल्मों के चुनाव पर सवाल उठे, कभी मेरी शख्सियत पर और कभी इसलिए क्योंकि मैं उस फॉर्मूले पर नहीं चल रहा था जिसे लोग सफलता का रास्ता मानते थे. समय के साथ मैंने समझा कि हर कलाकार का अपना अलग सफर होता है. मेरा सफर हमेशा उन कहानियों को चुनने का रहा है जिन पर मुझे भरोसा था और इस विश्वास के साथ आगे बढ़ने का कि मेरा काम एक दिन अपने दर्शकों तक जरूर पहुंचेगा.'

टेलीविजन हलचल

ज़ी5 ने बच्चों के लिए लॉन्च की नई एनिमेटेड सीरीज़

बच्चों के मनोरंजन के लिए ज़ी5 ने अपने किड्स कंटेंट पोर्टफोलियो में एक नया और खास शो शामिल किया है. प्लेटफॉर्म ने नई ऑरिजिनल एनिमेटेड सीरीज़ 'शिवलोक के कुंडक्का मंडक्का' लॉन्च की है, जो भारत की सदियों पुरानी पौराणिक कहानियों और लोककथाओं की एक अनोखी दुनिया को बच्चों के सामने पेश करेगी. यह शो छह अलग-अलग भाषाओं में बच्चों और परिवारों के लिए उपलब्ध होगा. शिवलोक के कुंडक्का मंडक्का' मशहूर लेखक आनंद नीलकंठन की बच्चों के लिए लिखी गई लोकप्रिय किताब 'द वेरी, एक्सट्रीमली, मोस्ट नॉटी असुरा टेल्स फॉर किड्स' पर आधारित है. इस सीरीज़ के जरिए पौराणिक कथाओं को एक नए और मनोरंजक अंदाज में दिखाया गया है, ताकि बच्चे भारतीय संस्कृति और परंपराओं से जुड़ सकें. शो की कहानी कुंडक्का और मंडक्का नाम के दो शरारती असुर जुड़वां भाइयों के इर्द-गिर्द घूमती है. दोनों की मजेदार शरारतें उन्हें ऐसे सफर पर ले जाती हैं, जहां उन्हें दोस्ती, साहस और जीवन की महत्वपूर्ण सीख मिलती है. सीरीज़ में बच्चों के लिए रोमांच, हास्य और कल्पना से भरी एक नई दुनिया दिखाई जाएगी.

'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में मेकर्स ने अफवाहों को बताया गलत

लोकप्रिय टीवी शो 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में जेठालाल का किरदार खत्म होने की खबरों पर अब विराम लग गया है. सोशल मीडिया पर चल रही इन अफवाहों को शो के मेकर्स ने खारिज करते हुए साफ किया है कि दिलीप जोशी शो का हिस्सा बने रहेंगे. उन्होंने बताया कि कहानी अब भी जेठालाल के किरदार के इर्द-गिर्द आगे बढ़ रही है. पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर दावा किया जा रहा था कि शो में जेठालाल के किरदार को खत्म किया जा सकता है और दिलीप जोशी शो छोड़ सकते हैं. इन खबरों के सामने आने के बाद फैंस के बीच चिंता बढ़ गई थी. हालांकि, मेकर्स ने इन सभी दावों को महज अफवाह बताया है. मेकर्स के अनुसार, जेठालाल शो का सबसे अहम किरदार है और आने वाले समय में भी उनकी भूमिका कहानी में महत्वपूर्ण बनी रहेगी. उन्होंने यह भी बताया कि 28 जुलाई को शो अपने 18 साल पूरे करने जा रहा है और इस खास मौके पर भी जेठालाल दर्शकों का मनोरंजन करते नजर आएंगे. दिलीप जोशी शुरुआत से ही इस शो से जुड़े हुए हैं और जेठालाल के किरदार ने उन्हें घर-घर में लोकप्रिय बना दिया. दिलचस्प बात यह है कि शुरुआत में उन्हें चंपकलाल यानी बापूजी का किरदार ऑफर किया गया था, लेकिन उन्होंने जेठालाल की भूमिका निभाने का फैसला किया. आज यह किरदार टीवी के सबसे पसंदीदा किरदारों में शामिल है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, दिलीप जोशी शो के सबसे ज्यादा फीस लेने वाले कलाकारों में से एक हैं. उन्हें प्रति एपिसोड करीब 1.5 से 2 लाख रुपये तक फीस मिलने की बात कही जाती है. निर्माता असित मोदी के साथ उनकी अच्छी प्रोफेशनल बॉन्डिंग भी रही है. गौरतलब है कि पिछले कुछ वर्षों में शो के कई पुराने कलाकार इससे अलग हो चुके हैं.

फौजी' का फर्स्ट लुक हुआ जारी

पैन इंडिया स्टार प्रभास की बहुप्रतीक्षित फिल्म फौजी का फर्स्ट लुक रिलीज हो गया है. मेकर्स ने फिल्म के पोस्टर के साथ इसकी रिलीज डेट का भी ऐलान कर दिया है. युद्ध के मैदान में प्रभास के इंटेंस और दमदार अवतार ने सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी है और फैंस फिल्म को लेकर काफी उत्साहित नजर आ रहे हैं. डायरेक्टर हनु राघवपुडी की इस पीरियड एक्शन ड्रामा फिल्म का फर्स्ट लुक बेहद प्रभावशाली है. पोस्टर में प्रभास बारिश से भीगे युद्ध क्षेत्र के बीच अकेले बैठे दिखाई दे रहे हैं. उनके आसपास तबाही का मंजर, गिरे हुए सैनिक और युद्ध के निशान नजर आ रहे हैं. हाथ में बंदूक और साधारण सफेद परिधान में प्रभास का किरदार संघर्ष, साहस और दृढ़ संकल्प से भरा हुआ दिखाई देता है.

फर्स्ट लुक जारी करते हुए मेकर्स ने बताया कि 'फौजी' 3 दिसंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी. फिल्म के निर्देशक हनु राघवपुडी ने भी सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर इसकी रिलीज डेट की पुष्टि की. उन्होंने लिखा कि यह एक ऐसी कहानी होगी जो बड़े पर्दे के साथ-साथ दर्शकों के दिलों में भी

अपनी जगह बनाएगी. फिल्म की कहानी को लेकर ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन इसे एक बड़े स्तर की पीरियड एक्शन ड्रामा बताया जा रहा है. प्रभास के फैंस को उम्मीद है कि यह फिल्म उनके करियर की एक और यादगार पेशकश साबित होगी. 'फौजी' में प्रभास के साथ ईमानवी नजर आएंगी, जो इस फिल्म से बड़े पर्दे पर डेब्यू कर रही हैं. इसके अलावा अनुपम खेर, मिथुन चक्रवर्ती और जया प्रदा जैसे दिग्गज कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे.

करीना कपूर ने बदली लाइफस्टाइल

शाम 6 बजे करती हैं डिनर और सुबह रहती हैं फिटनेस पर फोकस

बॉलीवुड अभिनेत्री करीना कपूर खान अपनी फिटनेस और हेल्दी लाइफस्टाइल को लेकर हमेशा चर्चा में रहती हैं. हाल ही में एक इंटरव्यू में करीना ने अपनी बदलती दिनचर्या, फिटनेस के महत्व और परिवार के साथ बिताए खास पलों के बारे में खुलकर बात की.

उन्होंने बताया कि अब वह अपनी सेहत को प्राथमिकता देती हैं और इसके लिए उन्होंने अपनी जीवनशैली में कई बदलाव किए हैं. करीना कपूर ने बताया कि वह अब जल्दी डिनर करना पसंद करती हैं. उन्होंने कहा कि वह शाम करीब 6 बजे खाना खा लेती हैं और रात 9:30 बजे तक सोने की तैयारी कर लेती हैं. अभिनेत्री ने बताया कि वह सुबह जल्दी उठकर वर्कआउट करती हैं और खुद के लिए थोड़ा समय निकालना पसंद करती हैं. करीना के मुताबिक, उनके दोस्त भी अब उनकी इस दिनचर्या को समझते हैं और देर रात की पार्टियों के लिए उनसे ज्यादा उम्मीद नहीं रखते.

अभिनेत्री ने फिटनेस को सिर्फ खूबसूरती से जोड़ने वाली चीज नहीं बताया, बल्कि इसे मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए जरूरी बताया. करीना ने कहा कि कोविड-19 महामारी के बाद उन्हें एहसास हुआ कि वर्कआउट उनके लिए सिर्फ फिट रहने का तरीका नहीं, बल्कि उनका मूड बेहतर रखने और मानसिक संतुलन बनाए रखने का जरिया भी है. करीना ने अपने परिवार की खाने की आदतों के बारे में भी बात की.